SUBJECT: HINDI

CLASS -6 **Ls.- (पाठ -१२ लोकगीत)**

Prepared By: DEEPIKA MEHRA **Given date -**

Prepared date -

शब्द -अर्थ :

लोच-लचीलापन
झाँझ–एक वाद्य यंत्र जो काँसे की दो तश्तरियों से बना होता है
करताल-तालियाँ
हेय-हीन
निर्द्वद्व-बिना किसी दुविधा के
मर्म को छूना-प्रभावित करना
आह्लादकर–प्रसन्न करने वाले
सिरजती-बनाती
पुट-अंश
उद्दाम-निरंकुश

प्रश्न.१ निबंध में लोकगीतों के किन पक्षों की चर्चा की गई है? बिंदुओं के रूप में उन्हें लिखो।

उत्तर- इस निबंध में लोकगीतों के निम्नलिखित पक्षों की चर्चा हुई है-

लोकगीत प्रिय होते हैं।
लोकगीत का महत्त्व
लोकगीत और शास्त्रीय संगीत
लोकगीतों के प्रकार, गायन शैली, राग
सहायक वाद्य यंत्र, गायक समूह
लोकगीतों के साथ चलने वाले नृत्य
लोकगीतों की भाषा
लोकगीतों की लोकप्रियता।
लोकगीतों के प्रकार
बिना किसी बाजे की मदद के भी गया जाना।

प्रश्न.२ हमारे यहाँ स्त्रियों के खास गीत कौनकौन से हैं-?
उत्तर- हमारे यहाँ लोकगीत ऐसे हैं जिन्हें स्त्रियों के खास गीत कहा जा सकता है। ऐसे गीत में त्योहारों पर नदियों में नहाते समय के, नहाने जाते रास्ते के गीत, विवाह के अवसर पर गाए जाने वाले गीत, मटकोड, ज्यौनार के, संबंधियों के लिए प्रेमयुक्त गाली, जन्म आदि के गीत स्त्रियों के गीत हैं। इसके अतिरिक्त कजरी, गुजरात का गरबा और ब्रज का रसिया भी स्त्रियों द्वारा गाया जाने वाला गीत है।

प्रश्न.३ निबंध के आधार पर और अपने अनुभव के आधार पर यदि तुम्हें लोकगीत सुनने के) सी विशेषताएँ बता सकते हो-तुम लोकगीतों की कौन (मौके मिले हैं तो?
उत्तर - लोकगीत हमारी सांस्कृतिक पहचान है। इन गीतों में हमारीसंस्कृत-अपनी सभ्यता-ि एवं संस्कार झलकते हैं। इनकी अनेक विशेषताएँ हैंलोकगीत गाँव के अनपढ़ पुरुष व औरतों के द्वारा रचे गए हैं। इनके लिए साधना की ज़रूरत नहीं होती। लोकगीतों में लचीलापन और ताजगी होती है। ये आम जनता के गीत हैं। ये त्योहारों और विशेष अवसरों पर ही गाए जाते हैं।मार्ग या देशी के सामने इनको हेय समझा जाता था अभी तक इनकी उपेक्षा की जाती है, लेकिन साहित्य और कला के क्षेत्र में परिवर्तन होने पर प्रांतों की सरकारों ने लोकगीत साहित्य के पुनरुद्धार में हाथ बँटाया। वास्तविक लोकगीत गाँव व देहात में है। लोकगीत वाद्य यंत्रों की मदद के बिना गाए जा सकते हैं। वैसे साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी बजाकर भी गाए जाते हैं। इनके रचनाकार आम आदमी और स्त्रियाँ ही होते हैं |

प्रश्न.४ पर सारे देश के ... अपनेअपने विद्यापति हैं-'-इस वाक्य का क्या अर्थ है? पाठ पढ़कर मालूम करो और लिखो।
उत्तर - इस वाक्य का यह अर्थ है कि विद्यापति जैसे लोकगीतों की रचना करने वाले अन्य क्षेत्रों में भी होते हैं। यानी जिस तरह मिथिला क्षेत्र में मैथिल कोकिल विद्यापति के गीत लोकप्रिय हैं, उसी प्रकार हर क्षेत्र में हर जगह पर कोईकोई प्रसिद्ध लोकगीत रचनाकार पैदा -न- हुआ है, जिसके गीतों की उस क्षेत्र में विशेष धूम रहती है। बुंदेलखंड के लोकगीत रचनाकार जगनिक का 'आल्हा' इसका उदाहरण है।

भाषा की बात-
लोक' शब्द में कुछ जोड़कर जितने शब्द तुम्हें सूझे, उनकी सूची बनाओ। इन शब्दों को ध्यान से देखो और समझो कि उनमें अर्थ की दृष्टि से क्या समानता है। इन शब्दों से वाक्य भी बनाओ, जैसे-लोककला।
लोकहित- हमारे नेताओं को लोकहित में ध्यान रखकर काम करना चाहिए।
लोकप्रिय- डॉ० राजेंद्र प्रसाद हमारे लोकप्रिय नेता थे।

लोकप्रिय- लोक संगीत का अपना अलग की आनंद है।

लोकनीति- लोकनीति यदि सही है तो देश में समाज का विकास होगा।

लोकगीत- लोकगीतों की परंपरा का पालन केवल गाँवों तक सीमित रह गया है।

लोकनृत्य- लोकनीति ग्रामीण संस्कृति का प्रतीक है।

लोकतंत्र- भारत में लोकतंत्र है।

प्रश्न .२ बारहमासा' गीत में साल के बारह महीनों का वर्णन होता है। नीचे विभिन्न अंकों से जुड़े कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें पढ़ो और अनुमान लगाओ कि इनका क्या अर्थ है और वह अर्थ क्यों है? इसी सूची में तुम अपने मन से सोचकर भी कुछ शब्द जोड़ सकते हो-

इकतारा

सरपंच

चारपाई

सप्तर्षि

अठन्नी

तिराहा